

छीछा वि. (देश.) छिछला।

छीछालेदर स्त्री. (देश.) बुरी तरह से की हुई दुर्गति।

छीज स्त्री. (देश.) 1. किसी वस्तु का वह अंश जो नष्ट हो गया हो 2. कमी, घाटा, हानि।

छीजना अ.क्रि. (तद्.) 1. उपयोग, व्यवहार आदि में आते रहने अथवा पुराने पड़ने के कारण किसी चीज का क्षीण होना या घिस जाना 2. उपयोग में आ जाने अथवा व्यय होने के कारण किसी चीज का कम होना 3. हानि होना उदा. लंकापति-तिय कहति पियासों या मैं कछू न छीजो -सूर 4. नष्ट होना।

छीटा स्त्री. (देश.) छींट पुं. (देश.) 1. बाँस की खमाचियों या किसी अन्य वृक्ष की पतली टहनियों का बना हुआ टोकरा 2. चिलमन, चिक स्त्री. छिटनी।

छीड़ स्त्री. (देश.) मनुष्यों के जमघट का अभाव, भीड़ का विपर्याय।

छीण वि. (तद्.) क्षीण, दुर्बल, टूटा हुआ उदा. छीणे जाणि छछोहा छूटा -प्रिथीराज।

छीत स्त्री. (देश.) 1. छूने या स्पर्श करने की क्रिया या भाव 2. संपर्क, संबंध उदा. सो करू सूर जेहि भाँति रहै पति जनि बल बाँधि बढावहु छीति -सूर।

छीदा वि. (देश.) जो घना या सघन न हो उदा. माँहिली माँइली छीदा होइ -नरपतिनाल्ह।

छीन वि. (तद्.) क्षीण।

छीन-झपट स्त्री. (देश.) (छीनना+झपटना) किसी से अथवा आपस में एक दूसरे से कुछ छीनने के लिए झपटने की क्रिया या भाव।

छीनना स.क्रि. (तद्.) 1. छिन्न करना, काटकर अलग करना 2. किसी के हाथ से कोई वस्तु बलात् ले लेना 3. अनुचित रूप से किसी की वस्तु अपने अधिकार में कर लेना 4. किसी को दिया हुआ अधिकार, सुविधा आदि वापस ले लेना।

छीना स.क्रि. (देश.) छूना।

छीना खसोटी स्त्री. (देश.) छीन-झपट।

छीना झपटी स्त्री. (देश.) छीन-झपट।

छीप स्त्री. (देश.) 1. मुद्रण का चिह्न, छाप 2. चिह्न 3. दाग 4. एक प्रकार का चर्म रोग वि. (तद्) तेज, वेगवान।

छीपा पुं. (देश.) 1. बाँस आदि की खमाचियों का टोकरा 2. थाली।

छीपी पुं. (देश.) 1. वह व्यक्ति जो कपड़ों पर बेल-बूटे आदि छापने का काम करता हो 2. दरजी।

छीबर स्त्री. (तद्.) 1. छींट नामक कपड़ा 2. एक प्रकार की चुनरी उदा. हा हा हमारी सों साँची कहौ वह कौन ही छोहरी छीवर वारी -देव।

छीबी स्त्री. (देश.) 1. पौधों की फली जिसमें बीज रहते हैं 2. मटर की फली 3. पशुओं विशेषतः गाय, बकरी, भैंस आदि के थन में फली के आकार का वह अंश जो नीचे लटकता रहता है और जिसे खींच तथा दबाकर दूध निकाला जाता है।

छीमर स्त्री. (देश.) छीबर।

छीमी स्त्री. (देश.) छीबी।

छीया पुं. (अनु.) विष्ठा।

छीर पुं. (देश.) क्षीर 1. चीर 2. कपड़े की लम्बाई वाले सिरे का किनारा 3. उक्त किनारे पर की पट्टी या धारी।

छीरज पुं. (तद्.) 1. चन्द्रमा 2. दही।

छीरधि पुं. (तद्.) क्षीरधि, समुद्र।

छीरप पुं. (तद्.) क्षीरप दूध-पीता बच्चा, शिशु वि. दूध पीनेवाला।

छीर-फेन पुं. (तद्.) (सं. क्षीर+फेन) दूध पर की मलाई।

छीर-सागर पुं. (तद्.) क्षीर-सागर।

छीलक पुं. (देश.) छिलका।